हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 18 सितम्बर, 2022 लोंगनी धर्मपुर में किसान मेले का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने 18 सितम्बर, 2022 को लोंगनी धर्मपुर में किसान मेले का आयोजन किया जिसमें धर्मपुर एवं आसपास की सात पंचायतों के लगभग 300 लोगों ने भाग लिया । कार्यक्रम में श्री महेंद्र सिंह ठाकुर, माननीय जल शक्ति, राजस्व, बागवानी और सैनिक कल्याण मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये । श्री अरुण सिंह, रावत, भारतीय वन सेवा, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून विशिष्ट अतिथि थे । डॉ॰ संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला ने मुख्य अतिथि, समस्त गणमान्यों एवं मेले में शरीक किसानों का स्वागत किया । डॉ॰ जगदीश सिंह, प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग एवं मेले के संयोजक ने कहा कि किसान मेले का थीम : कृषि वानिकी द्वारा समृद्धि है।

श्री महेंद्र सिंह ठाकुर, ने आशा व्यक्त की कि लोंगनी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे । उन्होने सुझाव दिये कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान यहाँ के लोगों के आय सृजन बढ़ाने जैसे उपाय सुझाएँ और उन मुद्दों पर अनुसंधान करे । उन्होनें कहा कि संस्थान वानिकी का उत्कृष्ठ मॉडल विकसित करे । टौर की नर्सरी विकसित कर लोगों को पौध उपलब्ध करवाये । टौर के पत्तियों से किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं । उन्होंने कहा की शिवद्वाला के पास गऊ सदन खोला है। संस्थान से उच्च किस्मों के चारा पौधे विकसित करने का आग्रह किया ताकि उच्च गुणवत्ता का चारा उपलब्ध हो सके। उन्होंने क्षेत्र के लिए 1300 करोड़ बागवानी प्रोजेक्ट का भी जिक्र किया । उन्होंने आशा जताई कि संस्थान इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करेगा जिससे लोगों को लाभ मिलेगा ।

श्री अरुण सिंह रावत, भारतीय वन सेवा, महानिदेशक ने कहा कि वानिकी अनुसंधान, शिक्षा एवं अनुसंधान विस्तार इस परिषद के मुख्य उद्देशय हैं । परिषद ने भी कृषि विज्ञान केंद्र की तर्ज पर वन विज्ञान केंद्र की शुरुआत की है । हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान – शिमला ने

इससे पहले तीन वन विज्ञान केन्द्रों की स्थापाना की है और चौथा वन विज्ञान केंद्र आपके क्षेत्र धर्मपुर, मंडी में शुरू कर दिया है । जिसका विधिवत उद्घाटन, माननीय श्री महेंद्र सिंह ठाकुर, जल शक्ति, राजस्व, बागवानी और सैनिक कल्याण मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार के कर कमलों द्वारा आज ही हुआ है । माननीय मंत्री महोदय के सहयोग एवं आशीर्वाद से यह कार्य संभव हो पाया है । वन विज्ञान केंद्र वानिकी विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । यह केंद्र सिल्विकल्चर, वृक्ष सुधार, मिट्टी और जल संरक्षण तकनीक, और वनीकरण तकनीक, कृषि वानिकी तकनीक, वानिकी विस्तार के लिए तकनीक, जैविक खेती और खाद तकनीक, टिकाऊ भूमि उपयोग प्रणाली और मूल्यांकन के क्षेत्र अनुसंधान की जरूरतों को पूरा करेगा । किसान मेला उत्पादन, उत्पादकता और आय के स्तर को बढ़ाने के लिए विकसित नई प्रौद्योगिकियों और किसानों के अनुकूल अनुसंधान के बारे में वानिकी जागरूकता पैदा करने के लिए किसान मेले का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होने आशा जताई कि वन विज्ञान केंद्र, लोंगनी, धर्मपुर खोलने से यहाँ के लोगों को लाभ होगा । इस तरह का आयोजन संगठन की अनुसंधान रणनीतियों और विस्तार प्राथमिकताओं को तय करने के लिए किसानों, कृषि-उद्यमशीलता और विस्तार कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का भी महत्वपूर्ण स्रोत है । यह विभिन्न संगठनों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को देखने का अवसर है । यद्यपि इस क्षेत्र के लोग पहले से ही पारंपरिक कृषि-वानिकी का अभ्यास कर रहे हैं तथापि उत्पादकता बढ़ाने और स्थायी आय सृजन के लिए कृषि-वानिकी, एग्री-सिल्वी, एग्री-होर्टीकल्चर एवं औषधीय पौधों पर आधारित कृषि-वानिकी प्रणाली विकसित करने की काफी संभावनाएं हैं । जिसमे संस्थान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ।

संस्थान के निदेशक डॉ॰ संदीप शर्मा ने बताया कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान टौर, सागवान/टीक, चन्दन तथा चारा प्रजातियों की नर्सरी तैयार की जा रही है, लोगों की मांग पर उन्हे वितरित किया जाएगा । समय समय पर जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे । डॉ॰ जगदीश सिंह ने संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यो के बारे में किसानों को अवगत करवाया ।

उद्घाटन सत्र के बाद मुख्य अतिथि ने मेला प्रदशर्नी का औपचारिक उद्घाटन किया । किसान मेला में संस्थान एवं\वन विभाग, हॉर्टिकल्चर विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं डॉ. यशवंत सिंह परमार हॉर्टिकल्चर एवं वानिकी महाविद्यालय, नेरी-हमीरपुर ने द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं कार्यों का प्रदर्शन किया । इसके अलावा तकनीकी सत्र का हुआ, जिसमें विभिन्न वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा किसानों के साथ विस्तृत चर्चा हुई । चर्चा के मुख्य विषय उत्कृष्ट प्रजातियों के उत्पादन के लिए नर्सरी तकनीक, उत्पादकता वृद्धि के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री तथा इसमे माइकोराइज़ा का उपयोग, आय सृजन के लिए कृषिवानिकी, औषधीय पौधों कि खेती और कृषि वानिकी में कीट और रोग प्रबंधन रहे । किसान मेले कायर्क्रम का समापन डॉ॰ अश्वनी तपवाल, वैज्ञानिक-एफ़ के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ ।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

किसान मेला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
हार्दिक अभिनन्दन करता है।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
हार्दिक अभिनन्दन

स्वागतम्

नेरी- हमीरपुर- हिमाचल प्रदेश
आपका स्वागत करता है

कृषि विभाग, जिला मण्डी
विकास खण्ड धर्मपुर
आपका हार्दिक स्वागत करता है।

JICA PROJECT

किसान मेला
कृषि वानिकी द्वारा समृद्धि
16 सितम्बर, 2022

मीडिया कवरेज़

Him Anchal News
18 September at 08:01 ·

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किसान मेले का आयोजन..

See translation

HIMANCHALNEWS.CO.IN

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किसान मेले का आयोजन..

लौंगणी में खुला वन अनुसंधान संस्थान

सहयोगी, धर्मपुर : रविवार को लौंगणी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान यहां के लोगों की आय बढ़ाने के लिए बेहतर प्रयास करें। लोगों को टौर की नर्सरी उपलब्ध करवाई जाए, ताकि टौर के पत्तियों का व्यवसाय कर सकें।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने प्रदेश में यह दूसरा विज्ञान केंद्र खोला है, जबकि इससे पहले एक विज्ञान केंद्र मनाली में खोला गया है। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि धर्मपुर में इस विज्ञान केंद्र के खुलने से वानिकी विस्तार में इजाफा होगा। क्षेत्र के लोग पहले से ही पारंपरिक कृषि-वानिकी का अभ्यास कर रहे हैं, तथापि उत्पादकता बढ़ाने और स्थायी आय सृजन के लिए कृषि-वानिकी, एग्री-सिल्वी, एग्री-हार्टीकल्चर एवं

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण करते जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ● जागरण

औषधीय पौधों पर आधारित कृषि-वानिकी प्रणाली विकसित करने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस विज्ञान केंद्र में टौर, सागवान/टीक, चंदन तथा चारा प्रजातियों की नर्सरी तैयार की जाएगी। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून (भारतीय वन सेवा) महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने जल शक्ति मंत्री को स्मृति चिन्ह, शाल व टोपी भेंट करके सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों की समस्याएं भी सुनी।

मंडी-कुल्लू जिले की खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

दैनिक सवेरा टाइम्स

मंडी/कुल्लू सवेरा

109 करोड़ से संधोल-टौरखोला-कमलाह-टिहरा- रखोह पेयजल योजना से हुआ पेयजल समस्या का समाधान

• महेंद्र सिंह ने किया हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण

सवेरा ब्यूरो

मंडी, 18 सितंबर : मंडी जिला के सरेसर विधानसभा क्षेत्र में करीब 109 करोड़ रुपए से संधोल-टौरखोला-कमलाह-टिहरा- रखोह पेयजल योजना के बनने से इस क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान हुआ है। वहीं, लोगों को घरद्वार पर नए नल कनेक्शनों के जरिए समुचित मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल शक्ति, राजस्व, बागवानी एवं सैनिक कल्याण मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने रविवार को करीब 18 लाख रुपए से निर्मित लौंगणी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण करने के पश्चात लौंगणी प्राथमिक पाठशाला मैदान में आयोजित किसान मेले में जन-समूहों को संबोधित करते हुए कही। जल शक्ति मंत्री ने भेडी, ग्रौड़, बल्द्वाड़ा चौकी, स्याठी-1, स्याठी-2, स्याठी-3, लौंगणी, करनोहल में जन समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के समाधान करने की आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

महेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि लौंगणी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से धर्मपुर व साथ लगते क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान यहां के लोगों की आय बढ़ाने के लिए अनुसंधान के बेहतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि लोगों को टौर की नर्सरी उपलब्ध करवाई जाए, ताकि टौर के पत्तियों का व्यवसाय करके यहां के स्थानीय किसान अपनी आय का अतिरिक्त जरिया बना सकें। बता दें कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने प्रदेश में यह दूसरा विज्ञान केंद्र खोला है, जबकि इससे पहले एक विज्ञान केंद्र मनाली में खोला गया है। धर्मपुर में इस विज्ञान केंद्र के खुलने से वानिकी विस्तार में इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोग पहले से ही पारंपरिक कृषि-वानिकी का अभ्यास कर रहे हैं, तथापि उत्पादकता बढ़ाने और स्थायी आय सृजन के लिए कृषि-वानिकी, एग्री-सिल्वी, एग्री-होर्टीकल्चर एवं औषधीय पौधों पर आधारित कृषि-वानिकी प्रणाली विकसित करने की काफी संभावनाएं हैं।

लौंगणी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण करते हुए महेंद्र सिंह ठाकुर।

जल शक्ति मंत्री ने कहा कि लकड़ी और गैर-लकड़ी दोनों प्रजातियों के पौध की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बेहतर रोपण सामग्री विकसित करने पर जोर दिया जाएगा, जिससे वानिकी और कृषि से जुड़े लोगों को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस विज्ञान केंद्र में टौर, सागवान/टीक, चंदन तथा चारा प्रजातियों की नर्सरी तैयार की जाएगी। जल शक्ति मंत्री ने संस्थान के अधिकारियों से कहा कि लोगों को समय-समय पर वानिकी संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षण दिए जाएं और विभिन्न प्रजातियों की नर्सरी उपलब्ध कराई जाए। इससे पहले जल शक्ति मंत्री ने मेले में वन विभाग, हॉर्टिकल्चर, कृषि, डॉ. यशवंत सिंह परमार हॉर्टिकल्चर, वानिकी महाविद्यालय नेरी-हमीरपुर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून (भारतीय वन सेवा) महा-निदेशक अरुण सिंह रावत ने जल शक्ति मंत्री को स्मृति चिन्ह, शाल व टोपी भेंट करके सम्मानित किया। हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने संस्थान के विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर बीडीसी सदस्य बिट्ठा सिंह, सुमन, कमला देवी, भाजपा मंडल सचिव जगन्नाथ, बूथ अध्यक्ष करम सिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्याम सिंह, प्रधान सज्जाओ पीपलू सरिता ठाकुर, ग्राम पंचायत जोढन के उप-प्रधान निट्ठू ठाकुर, वार्ड सदस्य पप्पी देवी, वार्ड सदस्य कैप्टन राजेंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर हिमाचल 19-09-2022

जलशक्ति मंत्री हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण

109 करोड़ की संधोल-रखोह पेयजल योजना से क्षेत्र के सैकड़ों परिवार हो रहे लाभान्वित

भास्कर न्यूज | मंडी

धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में करीब 109 करोड़ रुपए से संधोल-टौरखोला-कमलाह-टिहरा- रखोह पेयजल योजना के बनने से इस क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों की पेयजल समस्या का समाधान हुआ है। वहीं, लोगों को घरद्वार पर नए नल कनेक्शनों के जरिए समुचित मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल शक्ति, राजस्व, बागवानी एवं सैनिक कल्याण मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने करीब 18 लाख रुपए से निर्मित लौंगणी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण करने के पश्चात लौंगणी प्राथमिक पाठशाला मैदान में आयोजित किसान मेले में जन-समूहों को संबोधित करते हुए कही। जल शक्ति मंत्री ने भेडी, ग्रौड़, बल्द्वाड़ा चौकी, स्याठी-एक, स्याठी-दो, स्याठी-तीन लौंगणी, करनोहल में जन समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के समाधान करने की आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

लौंगणी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से धर्मपुर व साथ लगते क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान यहां के लोगों की आय बढ़ाने के लिए अनुसंधान के बेहतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि लोगों को टौर की नर्सरी उपलब्ध करवाई जाए, ताकि टौर के पत्तियों का व्यवसाय करके यहां के स्थानीय किसान अपनी आय का अतिरिक्त जरिया बना सकें।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने प्रदेश में यह दूसरा विज्ञान केंद्र खोला है, जबकि इससे पहले एक विज्ञान केंद्र मनाली में खोला गया है। धर्मपुर में इस विज्ञान केन्द्र के खुलने से वानिकी विस्तार में इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोग पहले से ही पारंपरिक कृषि-वानिकी का अभ्यास कर रहे हैं, तथापि उत्पादकता बढ़ाने और स्थायी आय सृजन के लिए कृषि-वानिकी, एग्री-सिल्वी, एग्री-होर्टीकल्चर एवं औषधीय पौधों पर आधारित कृषि-वानिकी प्रणाली विकसित करने की काफी संभावनाएं हैं। लकड़ी और गैर-लकड़ी दोनों प्रजातियों के पौध की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बेहतर रोपण सामग्री विकसित करने पर जोर दिया जाएगा, जिससे वानिकी और कृषि से जुड़े लोगों को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस विज्ञान केंद्र में टौर, सागवान/टीक, चन्दन तथा चारा प्रजातियों की नर्सरी तैयार की जाएगी। जल शक्ति मंत्री ने संस्थान के अधिकारियों से कहा कि लोगों को समय-समय पर वानिकी संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षण दिए जाएं और विभिन्न प्रजातियों की नर्सरी उपलब्ध कराई जाए। जल शक्ति मंत्री ने मेले में वन विभाग, हॉर्टिकल्चर, कृषि, डॉ. यशवंत सिंह परमार हॉर्टिकल्चर, वानिकी महाविद्यालय नेरी-हमीरपुर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून (भारतीय वन सेवा) महा-निदेशक अरुण सिंह रावत ने जल शक्ति मंत्री को स्मृति चिन्ह, शाल व टोपी भेंट करके सम्मानित किया।

हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने संस्थान के विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बीडीसी सदस्य बिट्ठा सिंह, सुमन, कमला देवी, भाजपा मंडल सचिव जगन्नाथ, बूथ अध्यक्ष करम सिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्याम सिंह, प्रधान सज्जाओ पीपलू सरिता ठाकुर, ग्राम पंचायत जोढन के उप-प्रधान निट्ठू ठाकुर, वार्ड सदस्य पप्पी देवी, वार्ड सदस्य कैप्टन राजेंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के भवन का लोकार्पण करते जल शक्ति मंत्री।

मंडी
amarujala.com

मंत्री महेंद्र ने किया लौंगणी में वन विज्ञान केंद्र का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

धर्मपुर (मंडी)। उपमंडल के लौंगणी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान बागबानों को आय सृजन बढ़ाने जैसे उपाय सुझाएगा।

यह बात जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने धर्मपुर के लौंगणी में वन विज्ञान केंद्र और किसान मेले के शुभारंभ पर कही। उन्होंने कहा कि

जलशक्ति मंत्री ने कहा, टौर की नर्सरी की जा रही तैयार

बागवानी विभाग अब टौर की नर्सरी विकसित कर लोगों को पौध उपलब्ध करवाए, ताकि टौर के पत्तों से किसान अतिरिक्त आय कमा सके। कहा कि शिवद्वाला के पास गोसदन खोला है, जिसके लिए अनुसंधान उच्च किस्म का चारा विकसित कर सकता है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से रविवार को धर्मपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत लौंगणी में किसान मेले का आयोजन किया।

इसमें धर्मपुर एवं आसपास की सात पंचायतों के लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अरुण सिंह भारतीय वन सेवा महानिदेशक एवं शिक्षा परिषद देहरादून विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इस दौरान अरुण सिंह रावत ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की तर्ज पर वन विज्ञान केंद्र की शुरुआत की है। संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि टौर, सागवान, टीक, चंदन तथा चारा प्रजातियों की नर्सरी तैयार कर रहा है। लोगों की मांग पर उन्हें पौधे वितरित किए जाएंगे।

किसान मेले का आयोजन उत्पादकता और आय के स्तर को बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकियों और किसानों के अनुकूल अनुसंधान के बारे में वानिकी जागरुकता पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

लोंगनी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे: महेंद्र सिंह

■ संवाददाता, बढ़ते कदम

मंडी। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने रविवार को को लोंगनी धर्मपुर में किसान मेले का आयोजन किया। इसमें धर्मपुर एवं आसपास की सात पंचायतों के लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। अरुण सिंह, रावत, भारतीय वन सेवा, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहारादून विशिष्ट अतिथि थे। डॉ संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला ने मुख्यातिथि, समस्त गणमान्यों एवं मेले में शरीक किसानों का स्वागत किया। डॉ जगदीश सिंह, प्रभाग प्रमुख विस्तार प्रभाग एवं मेले के संयोजक ने कहा कि किसान मेले का थीम-कृषि वानिकी द्वारा समृद्धि है। महेंद्र सिंह ठाकुर ने आशा व्यक्त कि की लोंगनी में वन विज्ञान केंद्र खुलने से स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने सुझाव दिए कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान यहां के लोगों के आय सृजन बढ़ाने जैसे उपाय सुझाएं और उन मुद्दों पर अनुसंधान करें। उन्होंने कहा कि संस्थान वानिकी का उत्कृष्ट मॉडल विकसित करें। अरुण सिंह रावत ने कहा कि वानिकी अनुसंधान, शिक्षा एवं अनुसंधान विस्तार इस परिषद के मुख्य उद्देश्य हैं। परिषद ने भी कृषि विज्ञान केंद्र की तर्ज पर वन विज्ञान केंद्र की शुरुआत की है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने इससे पहले तीन वन विज्ञान केंद्रों कि स्थापाना कि है और चौथा वन विज्ञान केंद्र धर्मपुर में शुरू कर दिया है।

****